सारनाथ विशेष उल्लेखनीय है। इससे स्वर्ण लकड़ी के स्तम्भ बनाये जाते हैं। स्तम्भों के दो भाग होते हैं। पहला उसकी लाट और दूसरा उसका शीर्ष भाग थे स्तम्भ चुनार धुंधले पीले बलुआ पत्थर से निर्मित है। पूरी लाट एक ही पत्थर से निकाली गयी है। यह बेलनाकार आकृति मोटाई में नीचे अधिक तथा ऊपर की ओर क्रमशः कम होती चली गयी इनकी ऊँचाई 30-40 फीट है। सभी स्तम्भो के शीर्ष पर हाथी सिंह, वृषभ, आदि एक पशु या पीठ से पीठ सटाकर बैठे चार वृषभ सिंह निर्मित है। सारनाथ के सिंह शीर्ष के ऊपर एक चक्र भी जो टूट गया है। आज अशोक स्तम्भ प्रसिद्ध है। उसमे चक्र नही है।

1. वैशाली का सिंह स्तम्भ => यह स्तम्भ के अवशेष बासाड से दो 2 मिल दूर बखीरा गाँव में एक टूह पर स्थित है। यह भूमि से 24 fit बाहर है। इस पर कोई अभिलेख नही है। इस स्तम्भ के शीर्ष में कमल पंखुडी युक्त पूर्णधार है। जिस पर आयताकार चौकी है। इस चौकी पर सिंह युक्त है। सिंह स्वाभाविक आकार का है। किन्तु शिल्प में स्थूलता है। भावभंगिमा बनी हुई है।

संकिस्सा का हस्तिस्तम्भ => इस स्तम्भ की लाट की ऊँचाई कनिंघम के अनुसार 46 fit रही होगी जिसका हस्ति शीर्ष 5 fit 3" का है। पूर्णघट के ऊपर वृत्ताकार चौकी पर हाथी की मूर्ति है। जिसकी पूंछ व सूड टूट चुकी है। चबूतरे की दुहरी किनारी में रस्सी सी अभिप्राय के ऊपर डोरी और मनकों की माला बनी है। कमल की पंखुडियां अधिक परिष्कृत ढंग से उत्कीर्ण की गयी है। पंखुडियों के नीचे की किनारी

Scanned with CamScanner

भी माला के रूप में बनायी गई है। हाथी की वृत्ताकार है जिसके चारो ओर कमल मुचकुन्द अभिप्राय तथा त्रिरत्न निर्मित है। हाथी की संरचना यथार्थ के निकट है। अंगो की सजीवता की ओर शिल्पी का पूरा ध्यान रहा है।

रामपुरवा के सिंह तथा वृषभ स्तम्भ ⇒ जिला चम्पारण बिहार रामपुरवा से प्राप्त स्तम्भ 44 फुट लम्बा है इसके शीर्ष का भाग पास में ही पड़ा हुआ प्राप्त हुआ था। इसके कमल की पंखुड़ियों की गहराई में सुघरापन है। चौकी के चारो ओर चुगते हुए हंसो की पंक्ति उत्कीर्ण है। सिंह का आकार चौकी तथा कमल तक समग्रता का प्रभाव देता है। सिंह के आगे के पंजो तथा पैरो में सजीवता है तथा सिंह में वनराज का गौरव दिखायी देता है। रामपुरवा से ही एक वृषभ शीर्ष का स्तम्भ भी प्राप्त हुआ है यह बहुत रचनात्मक कलात्मक तथा उत्कृष्ट है पुष्ट शरीर वाले सांड के मांसल अंगो को स्वभाविकता से उभारा गया है।

लौरियानन्दन गढ़ का सिंह शीर्ष स्तम्भ :- यह स्तम्भ आज भी अपने मूलरूप में स्थित है। यह 33 फुट ऊँचा है तथा शीर्ष भाग 6 फुट 10" है। गोल चौकी के चारो ओर 12 हंसो की पंक्ति उकेरी गयी है। सिंह की मूर्ति में गति है तथा इसकी मुद्रा आक्रमक है।

साँची का सिंह शीर्ष स्तम्भ ⇒ धम्मा लिपि या प्राकृत यह स्तम्भ साँची के दक्षिणी द्वार के समीप स्थित है। इस स्तम्भ के शीर्ष पर चार

Scanned with CamScanner